



84B5JG

आपने अपने आस-पास गौरैया, कबूतर जैसे पक्षियों को दाना चुगते हुए देखा होगा। क्या आपने कभी सोचा है कि ये पक्षी दूर से ही इन दानों को कैसे देख लेते हैं? आपने देखा होगा कि थोड़ी सी मीठी चीज जमीन पर गिर जाए तो कुछ ही देर में वहाँ चींटियों का झुण्ड इकट्ठा हो जाता है।



हमारी तरह जानवरों में भी देखने, सुनने, सूँघने और महसूस करने की शक्ति होती है। कोई जानवर मीलों दूर से अपने शिकार को देख लेता है। कोई हल्की से हल्की आहट को भी सुन लेता है। कोई जानवर अपने साथी को सूँघकर ढूँढ लेता है।

आप कैसे पहचानते हैं, लिखिए—

रंग की पहचान	—	आँखों द्वारा देखकर
आवाज की पहचान	—	
गन्ध की पहचान	—	
स्वाद की पहचान	—	
स्पर्श की पहचान	—	

विभिन्न जीव-जन्तु अपने देखने, सूँघने आदि विशेषताओं का उपयोग भोजन को ढूँढने और खतरे को भाँपने में करते हैं। आइए जाने जानवरों की अजब दुनिया के बारे में।

देखने की शक्ति – जीवों में पक्षियों की दृष्टि सबसे अधिक तेज होती है। चील, बाज और गिद्ध जैसे पक्षी हमसे चार गुना ज्यादा देख पाते हैं। जो चीजें हमें दो मीटर की दूरी से दिखाई पड़ती हैं, वही चीज ये पक्षी और भी अधिक दूरी से देख लेते हैं। बिल्ली, चीता, उल्लू, तेंदुआ आदि जीव तो अँधेरे में भी अच्छी तरह से देख सकते हैं।



चर्चा करिए—

अगर पक्षियों की तरह आपकी आँखें, आपके कान की जगह होती तो आप ऐसे क्या काम कर पाते, जो अभी नहीं कर पाते हैं ? और ऐसे क्या काम नहीं कर पाते जो अभी कर पाते हैं ?

ज्यादातर पक्षियों की आँखें उनके सिर के दोनों तरफ होती हैं। पक्षी एक ही समय में दो अलग-अलग चीजों को देख सकते हैं। जब ये बिल्कुल सामने देखते हैं, तब इनकी दोनों आँखें एक ही चीज पर होती हैं।

आपने देखा होगा कि कुछ पक्षी अपनी गर्दन बहुत ज्यादा घुमाते हैं, जैसे—उल्लू। जानते हैं क्यों ? इसका कारण है कि ज्यादातर पक्षियों की आँखों की पुतली घूम नहीं सकती। इसलिए वे अपने चारों तरफ देखने के लिए अपनी गर्दन घुमाते हैं।



पता कीजिए और लिखिए—

ऐसे पक्षी का नाम जिसकी आँखें सामने की तरफ होती हैं।

इसे भी जानें—

बहुत से जानवर रंगों को देखने / पहचानने में अक्षम होते हैं। उनकी दृष्टि मात्र काला और सफेद रंग देख पाती है। किंतु बंदर मानव की तरह अलग-अलग रंगों को पहचानने में सक्षम हैं।

सूँघने की शक्ति—कुछ जानवरों में सूँघने की शक्ति बहुत तेज होती है। क्या आपने कभी किसी कुत्ते को इधर-उधर कुछ सूँघते हुए देखा है। कुत्ते में सूँघने की क्षमता बहुत तेज होती है। यदि कुत्ते किसी स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाते हैं तो वह अपनी सूँघने की शक्ति के कारण वापस उसी स्थान पर आ जाते हैं।



इसे भी जानें—

कुत्ते के सूँघने की शक्ति के कारण ही विस्फोटक व नशीले पदार्थों को ढूँढ़ने तथा अपराधियों को पकड़ने में उसकी मदद ली जाती है।

शेर, चीता, बिल्ली भी अपने सूँघने की शक्ति से अपने लिए भोजन की तलाश व अपने वास स्थान को पहचानते हैं। चींटियाँ चलते समय जमीन पर कुछ ऐसा पदार्थ निकालती हैं जिसे सूँघकर पीछे आने वाली चींटियों को रास्ता मिल जाता है। कुछ नर कीड़े, मकोड़े गंध से मादा कीड़े की पहचान कर लेते हैं। मच्छर भी हमारे शरीर की गंध से हमें ढूँढ़ लेते हैं।

किन-किन मौकों पर आपकी सूँघने की शक्ति आपके काम आती है, सूची बनाइए —

— किसी चीज के जलने का पता चलना

—

—

—

—

कितने तेज हैं कान — तेंदुआ, चीता, बिल्ली आदि जानवरों की सुनने की शक्ति बहुत तेज होती है। इनके कान मामूली ध्वनि को भी सुन सकते हैं। इसी तरह खरगोश के भी बड़े कान होते हैं जो खतरों का अनुमान लगाने में सक्षम होते हैं। उनके कान ध्वनि की दिशा में घूम जाते हैं।



चर्चा करिए— आपको क्या लगता है, क्या जानवरों के कान के आकार और उनके सुनने की शक्ति में कुछ संबंध होता है ?

साँप के पास बाहरी कान नहीं होते हैं। वे जमीन पर होने वाले कम्पन महसूस करते हैं। बीन की आवाज सुनकर साँप का नाचना लोगों में फैला एक भ्रम है।

इसी तरह चमगादड़ की सुनने की क्षमता बहुत तेज होती है। वे बहुत ऊँचे सुर वाली आवाज अपने मुख अथवा नाक से निकालते हैं। जब वे आवाजें किसी वस्तु से टकराती है तो गूँजती हैं। इस गूँज को अपने कानों से सुनकर चमगादड़ अँधेरे में अपने भोजन की दूरी और दिशा का पता लगा लेते हैं।



पता कीजिए और लिखिए—

- ऐसे जन्तुओं के नाम लिखिए जिनके कान हमारे कानों से बड़े होते हैं—
.....
- ऐसे जन्तुओं के नाम लिखिए जिनके बाहरी कान नहीं होते हैं ?
.....
- ऐसे जन्तुओं के नाम लिखिए जिनके कान हमारे कानों से छोटे होते हैं?
.....

अलग-अलग आवाजें— जंगल में ऊँचे पेड़ पर बैठा लंगूर पास आती मुसीबत (जैसे शेर, चीता) को देखकर एक खास आवाज निकालकर अपने साथियों को संदेश देता है। इस काम के लिए पक्षी भी खास आवाजें निकालते हैं। कुछ पक्षी अलग-अलग खतरों के लिए अलग-अलग आवाजें निकालते हैं। जैसे उड़कर आने वाले दुश्मन के लिए एक तरह की आवाज और जमीन पर चलकर आने वालों के लिए दूसरी तरह की आवाज। आवाज चाहे किसी भी जानवर ने निकाली हो, उस इलाके में रहने वाले सभी जानवर इसे चेतावनी समझ सचेत हो जाते हैं।

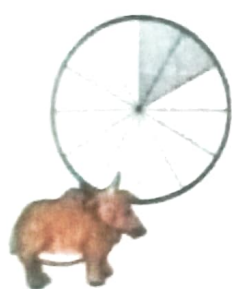


सोने का ढंग—जब कभी आप थक जाते हैं तो आराम करने की जरूरत महसूस करते हैं। एक छोटा बच्चा दिन में 14-16 घंटे सोता है। वयस्क के लिए 6 से 8 घंटे की नींद पर्याप्त है। इसी तरह जानवर भी सोते हैं।

ज्यादातर जानवर हमारी तरह रात में सोते हैं। कुछ जानवर जैसे—उल्लू, चमगादड़ दिन के समय सोते हैं। बहुत से जीव—जन्तु किसी खास मौसम में लम्बे समय तक दिखाई नहीं देते हैं क्योंकि बदलते मौसम के साथ वह अपना अनुकूलन करते हैं।

आपने भी देखा होगा कि सर्दियों में छिपकलियाँ नहीं दिखाई देती हैं।

चित्र में कुछ जानवरों के सोने के समय को दिखाया गया है। चित्र के नीचे लिखिए कि वह जानवर दिन में कितने घंटे सोता है। एक छोटा खाना दो घण्टे के बराबर है।



गाय 4 घण्टे



अजगर



जिराफ़



बिल्ली

छिपकली के लिए सर्दियों में यह घड़ी कैसी दिखेगी? बनाइए।



अभ्यास



1. किन्हीं दो जीवों के नाम लिखिए—

- (क) जिनकी सूँघने की शक्ति तेज होती है।
- (ख) जिनकी सुनने की शक्ति तेज होती है।
- (ग) जिनके बाहरी कान नहीं होते हैं।
- (घ) जो रात में देख सकते हैं।
- (ङ) जो दिन के समय सोते हैं।

2. सही वाक्यों पर (✓) का चिह्न तथा गलत वाक्यों पर (X) का चिह्न लगाएँ—

- (क) हम रंगों की पहचान स्पर्श द्वारा करते हैं। ()
- (ख) कुत्ते की सुनने की शक्ति तेज होती है। ()
- (ग) उल्लू दिन के समय सोते हैं। ()
- (घ) हम स्वाद का अनुभव देखकर करते हैं। ()
- (ङ) खरगोश अपने कानों से खतरों का अनुमान लगा लेते हैं। ()

(च) साँप के बाहरी कान नहीं होते हैं।

()

(छ) पक्षी चारों तरफ देखने के लिए अपनी गर्दन घुमा लेते हैं।

()

(ज) तेंदुआ अंधेरे में नहीं देख सकता है।

()

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) जमीन पर मीठा गिरने से चीटियाँ कैसे आ जाती हैं ?

(ख) पक्षी अपनी गर्दन क्यों घुमाते हैं ?

(ग) कुत्तों का उपयोग अपराधियों को पकड़ने में क्यों किया जाता है ?

(घ) खरगोश किस प्रकार खतरे का अनुमान लगाते हैं ?

4. दिए गए चित्रों में जानवरों के कान एक-दूसरे से बदल दिए गए हैं। पहचानिए और बताइए।

